UNIVERSITY OF THE PUNJAB

B.A. / B.Sc. Part – I
Annual Examination - 2018

Roll No. .....

Subject: Hindi-I

TIME ALLOWED: 3 hrs.
MAX. MARKS: 100

(सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखना अनिवार्य है)

प्रश्न-1. **निम्नलिखित पद्यांशों में से कोई दो की प्रसंग सहित व्याख्या लिखो ।**
(भाग क तथा ख में से एक एक करना है।) 15,15

क. निरगुण कौन देस का बासी ।
मधुकर कहि समझाइ ,सौंह दे बूझति सांच न हांसी ।
कौ है जनक ,जननि को कहियत, कौ नारि कौ दासी ।
कैसौ बरन , भेष है कैसौ ,केहिं रस में अभिलाषी ।
पावैगो पुनि कियो आपुनो जो रे कहैगो गांसी ।
सुनत मौन ह्वै रह्यौ ठगो-सौ सूर सबै मति नासी ।

अथवा

बहुत दिनन की जोवती, बाट तुमहारी राम।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ, मनि नाहीं विश्राम ।।

जब मैं था तब हरि नहीं , अब हरि हैं मैं नाँहि ।
प्रेम गली अति सांकरी ,या में दो न समाहिं ।।

यह तन जारौं मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ।
लेखनि करौं करंक की , लिखि लिखि राम पठाउँ।।

ख. स्वयं सुसज्जित करके क्षण में,
प्रियतम को प्राणों के पण में,
हमीं भेज देती हैं रण में -
क्षात्र धर्म के नाते।
सखि, वे मुझ से कह कर जाते ।

अथवा

हम हों सुमन की सेज पर या कंटकों की आड में,
पर प्राणधन ! तुम छिपे रहना ,इस हृदय की आड में ;
हम हों कहीं इस लोक में,उस लोक में भूलोक में !
तब प्रेम पथ में ही चलें ; हे नाथ ! तब आलोक में !

प्रश्न-2 **कबीरदास की भाषा-शैली पर साहित्यक लेख लिखिए । अथवा मैथिली शरण गुप्त की भाषा -शैली और काव्यगत विशेषताओं का वर्णन करें ।** 15

PTO

प्रश्न-3 आचार्य रामचंद्र शुक्ल अथवा अथवा बाल कृष्ण भट्ट का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी निबंध कला का वर्णन करें। 15

प्रश्न-4 निम्नलिखित गद्यांशों में से कोई दो की प्रसंग सहित व्याख्या लिखो । 15, 15

क. जब किसी तरह न रहा गया, उसने जबरा को धीरे से उठाया और उसके सिर को थपथपाकर उसे अपनी गोद में सुला लिया। कुत्ते की देह से जाने कैसी दुर्गंध आ रही थी, पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाए हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे न मिला था। जबरा शायद समझ रहा था कि स्वर्ग यहीं है, और हलकू की पवित्र आत्मा में तो उस कुत्ते के प्रति घृणा की गंध तक न थी। अपनी दीनता से आहत न था; जिसने आज उसे इस दशा को पहुँचा दिया। इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उसका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।

ख. उसकी आँखों की दशा आकाश की जैसी हैं जिस में बादल बरस कर अभी अभी बिखर गये हैं । खुली आँखें ईश्वर के ध्यान में लीन हो रही हैं । कुछ काल के उपरांत ' हे राम ' कह कर उसने फिर सीना शुरु कर दिया । इस माता और इस बहन की सिली हुई कमीज़ मेरे लिए मेरे शरीर का नहीं मेरी आत्मा का वस्त्र है ।इसका पहनना मेरी तीर्थ यात्रा है ।इस कमीज़ में उस विधवा के सुख- दुःख प्रेम और पवित्रता के मिश्रण से मिली हुई जीवन रूपिणी गंगा की बाढ़ चली जा रही है।ऐसी मज़दूरी और ऐसा काम प्रार्थना , संध्या , और नमाज़ से क्या कम है ?शब्दों से तो प्रार्थना हुआ नहीं करती। ईश्वर तो कुछ ऐसी ही मूक प्रार्थनाएँ सुनता है और तत्काल सुनता है ।

ग समय ने पलटा खाया है।वै-ज्ञानिकों ने मानवीय प्रकृति और विश्व प्रकृति का निर्लिप्त भाव से विश्लेषण किया है । देखा गया है कि जगत में एक ही शाश्वत मानव-मस्तिष्क काम कर रहा है ।आज तक संसार गलतफहमी का शिकार बना रहा है ।आज उस के पास इतने अधिक साधन हैं कि पुरानी गलतफहमी अगर उसी वेग से चलती रही, तो उसका परिणाम भयंकर होगा ।

घ. यदि किसी अपव्ययी और मद्यप कवि पर अतयन्त श्रद्धालु होकर कोई उसकी आर्थिक सहायता करता जाता है तो वह उस अन्याय और उपद्रव का थोड़ा-बहुत उत्तरदाता अवश्य होता है जो कवि जी अपने सहवर्तियों के बीच करने में समर्थ होते हैं। यदि किसी पहलवान के बल पर प्रसन्न होकर कोई उसे हलवा-पूरी खाने के लिए कुछ महीना बाँधता है तो उसके गुण्डेपन के कारण लोगों को पहुँची हुई पीड़ा के दोष का वह कम से कम उतना भाग अवश्य पा सकता है जितना इन्द्रकृत हत्या की बँटाई के समय बहुतों को मिला था। उद्देश्य के अभाव के बल से यद्यपि इन श्रद्धालुओं पर दोष उतना सटीक नहीं लग सकता, पर समाज की दृष्टि में वे दान के पात्रता-सम्बन्धी अविवेक के अभियोग से नहीं बच सकते।

प्रश्न-5 पाज़ेब , अथवा बिसाती अथवा पूस की रात कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखें । 10